SET-1

Series RLH

कोड नं.
Code No. **4/1**

रोल नं.
Roll No. | | | | | | | |

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **7** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 18 प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

संकलित परीक्षा – II
SUMMATIVE ASSESSMENT – II

हिन्दी
HINDI

(पाठ्यक्रम ब)
(Course B)

निर्धारित समय : 3 घण्टे | *अधिकतम अंक : 90*

Time allowed : 3 hours | *Maximum Marks : 90*

निर्देश : *(i)* *इस प्रश्न-पत्र के **चार** खण्ड हैं – क, ख, ग और घ ।*

(ii) *चारों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है ।*

(iii) *यथासंभव प्रत्येक खण्ड के उत्तर क्रमशः दीजिए ।*

खण्ड क

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *2×6=12*

मनुष्य जीवन की सबसे बड़ी सिद्धि अपने अहं के सम्पूर्ण त्याग में है । जहाँ वह शुद्ध समर्पण के उदात्त भाव से प्रेरित होकर अपने 'स्व' का त्याग करने को प्रस्तुत होता है वहीं उसके व्यक्तित्व की महानता परिलक्षित होती है । साहित्यानुरागी जब उच्च साहित्य का रसास्वादन करते समय स्वयं की सत्ता को भुला कर पात्रों के मनोभावों के साथ एकत्व स्थापित कर लेता है तभी उसे साहित्यानन्द की दुर्लभ मुक्तामणि प्राप्त होती है । भक्त जब अपने आराध्य देव के चरणों में अपने 'आप' को अर्पित कर देता है और पूर्णतः प्रभु की इच्छा में अपनी इच्छा को लय कर देता है तभी उसे प्रभु-भक्ति की अलभ्य पूँजी मिलती है । यह विचित्र विरोधाभास है कि कुछ और प्राप्त करने के लिए स्वयं को भूल जाना ही एकमात्र सरल और सुनिश्चित उपाय है । यह अत्यन्त सरल दिखने वाला उपाय अत्यन्त कठिन भी है । भौतिक जगत में अपनी क्षुद्रता को समझते हुए भी मानव-हृदय अपने अस्तित्व के झूठे अहंकार में डूबा रहता है उसका त्याग कर पाना उसकी सबसे कठिन परीक्षा है । किन्तु यही उसके व्यक्तित्व की चरम उपलब्धि भी है । दूसरे का निःस्वार्थ प्रेम प्राप्त करने के लिए अपनी इच्छा-आकांक्षाओं और लाभ-हानि को भूल कर उसके प्रति सर्वस्व समर्पण ही एकमात्र माध्यम है । इस प्राप्ति का अनिवर्चनीय सुख वही चख सकता है जिसने स्वयं को देना-लुटाना जाना हो । इस सर्वस्व समर्पण से उपजी नैतिक और चारित्रिक दृढ़ता, अपूर्व समृद्धि और परमानन्द का सुख वह अनुरागी चित्त ही समझ सकता है जो –

'ज्यों-ज्यों बूड़े श्याम रंग, त्यों-त्यों उज्ज्वल होय'

(क) मनुष्य जीवन की महानता किसमें है ? लेखक ऐसा क्यों मानता है ?

(ख) 'साहित्यानुरागी' से क्या तात्पर्य है ? उसे आनंद किस प्रकार प्राप्त होता है ?

(ग) प्रभु-भक्ति की पूँजी कैसी बताई गई है और भक्त उसे कब प्राप्त कर सकता है ?

(घ) मनुष्य के व्यक्तित्व की चरम उपलब्धि क्या है और क्यों ?

(ङ) 'विचित्र विरोधाभास' किसे माना गया है और क्यों ?

(च) 'सर्वस्व समर्पण' का क्या तात्पर्य है और ऐसा करने के क्या लाभ हैं ?

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *2×4=8*

किस भाँति जीना चाहिए किस भाँति मरना चाहिए,
सो सब हमें निज पूर्वजों से याद करना चाहिए ।
पद-चिह्न उनके यत्नपूर्वक खोज लेना चाहिए,
निज पूर्व-गौरव-दीप को बुझने न देना चाहिए,
आओ मिलें सब देश-बांधव हार बनकर देश के,
साधक बने सब प्रेम से सुख-शांतिमय उद्देश्य के ।
क्या सांप्रदायिक भेद से है, ऐक्य मिट सकता अहो,
बनती नहीं क्या एक माला विविध सुमनों की कहो ।।
प्राचीन हो कि नवीन, छोड़ो रूढ़ियाँ जो हों बुरी,
बनकर विवेकी तुम दिखाओ हंस जैसी चातुरी,
प्राचीन बातें ही भली हैं, यह विचार अलीक है
जैसी अवस्था हो जहाँ वैसी व्यवस्था ठीक है,
मुख से न होकर चित्त से देशानुरागी हो सदा ।
देकर उन्हें साहाय्य भरसक सब विपत्ति व्यथा हरो,
निज दुःख से ही दूसरों के दुःख का अनुभव करो ।।

(क) हमें पूर्वजों से क्या-क्या सीखना चाहिए ?

(ख) विविध सुमनों की एक माला से कवि क्या समझाना चाहता है ?

(ग) कविता में हंस के उदाहरण के द्वारा कवि क्या प्रतिपादित करना चाहता है ?

(घ) भाव स्पष्ट कीजिए – "मुख से न होकर चित्त से देशानुरागी हो सदा" ।

खण्ड ख

3. शब्द, पद के रूप में कब बदल जाता है ? उदाहरण देकर शब्द और पद का भेद स्पष्ट कीजिए । *1+1=2*

4. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : *1×3=3*

(क) सरला ने कहा कि वह कक्षा में प्रथम रही । (रचना के आधार पर वाक्य-भेद बताइए)

(ख) लोकप्रियता के कारण उसका ज़ोरदार स्वागत हुआ । (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

(ग) वे बाज़ार गए और सब्ज़ी ले आए । (सरल वाक्य में बदलिए)

5. (क) निम्नलिखित का विग्रह करके समास का नाम लिखिए : *1+1=2*

हाथी-घोड़े, पीतांबर ।

(ख) निम्नलिखित का समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए : *1+1=2*

घन के समान श्याम, देश का वासी ।

6. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध रूप में लिखिए : *1×4=4*

(क) एक सोने का हार ले आओ ।

(ख) कृपया आज का अवकाश देने की कृपा करें ।

(ग) मुझे हजार रुपए चाहिएँ ।

(घ) क्या वह देख लिया है ?

7. निम्नलिखित मुहावरों का वाक्य में इस प्रकार प्रयोग कीजिए कि उनका अर्थ स्पष्ट हो जाए : *1+1=2*

काम तमाम कर देना, हक्का-बक्का रह जाना ।

खण्ड ग

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *2+2+1=5*

(क) 'गिरगिट' पाठ में येल्दीरिन ने ख्यूक्रिन को उसके दोषी होने के क्या कारण बताए ?

(ख) शेख अयाज़ के पिता भोजन छोड़कर क्यों उठ खड़े हुए ? इससे उनके व्यक्तित्व की किस विशेषता का पता चलता है ? 'अब कहाँ दूसरों के दुख से दुखी होने वाले' पाठ के आधार पर लिखिए ।

(ग) शुद्ध-सोना और गिन्नी का सोना अलग-अलग कैसे है ? स्पष्ट कीजिए ।

9. 'गिरगिट' कहानी समाज में व्याप्त चाटुकारिता पर करारा व्यंग्य है – इसे पाठ के आधार पर सोदाहरण सिद्ध कीजिए । *5*

10. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *2+2+1=5*

यह और बात है कि इस हिस्सेदारी में मानव जाति ने अपनी बुद्धि से बड़ी-बड़ी दीवारें खड़ी कर दी हैं । पहले पूरा संसार एक परिवार के समान था, अब टुकड़ों में बँटकर एक-दूसरे से दूर हो चुका है । पहले बड़े-बड़े दालानों में सब मिल-जुलकर रहते थे अब छोटे-छोटे डिब्बे जैसे घरों में जीवन सिमटने लगा है ।

(क) किस हिस्सेदारी में मानव ने दीवारें खड़ी कर दी हैं और कैसे ?

(ख) पूरा संसार अब कैसा हो गया है और क्यों ?

(ग) 'छोटे-छोटे डिब्बों जैसे घरों' कथन का क्या आशय है ?

11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *2+2+1=5*

(क) 'मधुर-मधुर मेरे दीपक जल' कविता में कवयित्री किसका पथ आलोकित करना चाहती है ? स्पष्ट कीजिए ।

(ख) 'कर चले हम फ़िदा' कविता में कवि ने 'साथियो' संबोधन का प्रयोग किसके लिए किया है और क्यों ?

(ग) ग्रीष्म ऋतु में संसार तपोवन-सा कैसे हो जाता है ? बिहारी के 'दोहे' के आधार पर उत्तर दीजिए ।

12. 'मनुष्यता' कविता के माध्यम से कवि ने किन गुणों को अपनाने का संकेत दिया है ? तर्क-सहित उत्तर दीजिए । *5*

13. टोपी नवीं कक्षा में दो बार फेल हो गया । एक ही कक्षा में दो-दो बार बैठने से टोपी को किन भावनात्मक चुनौतियों का सामना करना पड़ा होगा ? उसकी भावनात्मक परेशानियों को ध्यान में रखते हुए शिक्षा व्यवस्था में आपके विचार से क्या परिवर्तन होने चाहिए ? तर्क-सहित उत्तर दीजिए । *5*

खण्ड घ

14. दिए गए संकेत-बिन्दुओं के आधार पर किसी ***एक*** विषय पर लगभग 80 – 100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए : *5*

(क) <u>हमारा देश</u>

- भौगोलिक विस्तार
- समाज और संस्कृति
- आज का बदलता रूप

(ख) <u>श्रम का महत्त्व</u>

- श्रम और मानव जीवन
- लाभ
- सुझाव

(ग) <u>भारत की बढ़ती जनसंख्या</u>

- देश की प्रगति और जनसंख्या
- हानियाँ
- सुझाव

15. विश्व पुस्तक मेले में 'गांधी दर्शन' से संबंधित स्टाल में गांधी-साहित्य के प्रचार के लिए कुछ युवक-युवतियों की आवश्यकता है । आप अपनी योग्यताओं और रुचियों का विवरण देते हुए 'गांधी-स्मृति' संस्था के अध्यक्ष को आवेदन-पत्र लिखिए । *5*

16. आपके विद्यालय में एक सप्ताह के लिए 'नेत्र-चिकित्सा शिविर' लगाया जा रहा है, जिसमें निःशुल्क नेत्र-परीक्षण किया जाएगा । स्थानीय जनता की सूचना के लिए 30 शब्दों में एक सूचना-पत्रक लिखिए । *5*

17. मोबाइल फोन से होने वाले लाभ और हानि के संबंध में मित्र से हुए वार्तालाप का एक संवाद 50 शब्दों में तैयार कीजिए । *5*

18. हिन्दी की पुस्तकों की प्रदर्शनी में आधे मूल्य पर बिक रही महत्त्वपूर्ण पुस्तकों को ख़रीदकर लाभ उठाने के लिए लगभग 25 शब्दों में एक विज्ञापन लिखिए । *5*

अंक-योजना मार्च, 2015

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 4/1, 4/2, 4/3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'ब') कक्षा - दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक - विभाजन
	1	2	3		
				'खंड क'	
1	1	2	1		
	(क)	(क)	(क)	मनुष्य जीवन की महानता 'अहं' के संपूर्ण त्याग में है। 'स्व' का त्याग करके ही मनुष्य के व्यक्तित्व की महानता परिलक्षित होती है।	1+1=2
	(ख)	(ख)	(ख)	साहित्य के लिए अनुराग / प्रेम रखने वाला। जब साहित्यानुरागी उच्च साहित्य को पढ़कर स्वयं को भूलकर रचना के पात्रों से तादात्म्य स्थापित कर लेता है तब उसे आनंद की प्राप्ति होती है।	1+1=2
	(ग)	(ग)	(ग)	प्रभु भक्ति की पूँजी 'अलभ्य' बताई गई है। जब भक्त अपने आराध्य देव के चरणों में स्वयं को अर्पित कर प्रभु इच्छा में ही अपनी इच्छा को विलीन कर लेता है।	1+1=2
	(घ)	(घ)	(घ)	• भौतिक जगत में अपनी क्षुद्रता को समझते हुए अपने अस्तित्व के झूठे अहंकार का त्याग करना मनुष्य के जीवन की चरम उपलब्धि है। • इससे हम दूसरे से नि:स्वार्थ प्रेम प्राप्त कर सकते हैं।	1+1=2
	(ङ)	(ङ)	(ङ)	• कुछ और प्राप्त करने के लिए स्वयं को भूल जाना विचित्र विरोधाभास है। • क्योंकि यह उपलब्धि के स्तर पर अनिवार्य है।	1+1=2
	(च)	(च)	(च)	अपनी इच्छा, आकांक्षाओं और लाभ-हानि को भूलना ही सर्वस्व समर्पण है। क्योंकि इससे मनुष्य को चारित्रिक दृढ़ता, अपूर्व समृद्धि एवम् परमानंद का सुख प्राप्त होता है। इससे दूसरों का निस्वार्थ प्रेम प्राप्त होता है।	1+1=2 12

अंक-योजना मार्च, 2015

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 4/1, 4/2, 4/3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'ब') कक्षा - दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक - विभाजन
	1	2	3		
2	2 (क)	1 (क)	2 (क)	जीवन में किस भाँति जीना है और किस भाँति मरना है।	2
	(ख)	(ख)	(ख)	विभिन्न धर्मों एवं संप्रदायों के लोगों का परस्पर मिलकर रहना।	2
	(ग)	(ग)	(ग)	प्राचीन व नवीन रूढ़ियों में से हंस के 'क्षीर-नीर-विवेकी' गुण (दूध और पानी को अलग करने की क्षमता) द्वारा अच्छे का चुनाव करना।	2
	(घ)	(घ)	(घ)	सिर्फ मुँह से ही देशभक्ति की बात न करें, बल्कि चित्त में भी देश के प्रति प्रेम भरा हो।	2 8
				खंड 'ख'	
3	3	3	3	ध्वनियों की स्वतंत्र, सार्थक इकाई शब्द कहलाती है और जब शब्द व्याकरणिक नियमों में बँधकर वाक्य में प्रयुक्त किया जाता है तब वह पद बन जाता है। जैसे - स्वतंत्रता - शब्द हमें <u>स्वतंत्रता का</u> मान रखना चाहिए। - पद	1+1=2
4	4 (क)	4 (क)	6 (क)	मिश्र वाक्य	1
	(ख)	(ख)	(ख)	वह लोकप्रिय है / था इसलिए उसका ज़ोरदार स्वागत हुआ।	1

अंक-योजना मार्च, 2015

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 4/1, 4/2, 4/3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'ब') कक्षा - दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक - विभाजन
	1	2	3		
	(ग)	(ग)	(ग)	वे बाज़ार जाकर सब्ज़ी ले आए।	1 3
5	5	5	5		
	(क)	–	–	हाथी और घोड़े / हाथी या घोड़े – द्वंद्व समास पीला है अंबर जिसका अर्थात श्री कृष्ण – बहुव्रीहि / पीला है अंबर जो – कर्मधारय	½ +½ =1 ½ +½ =1 2
	(ख)	–	–	घनश्याम – कर्मधारय देशवासी – तत्पुरुष	½ +½ =1 ½ +½ =1 2
	–	(क)	–	कन्या का दान – तत्पुरुष / कन्या के लिए दान – तत्पुरुष दाल और भात – द्वंद्व	½ +½ =1 ½ +½ =1 2
	–	(ख)	–	कालीमिर्च – कर्मधारय चंद्रकला – तत्पुरुष	½ +½ =1 ½ +½ =1 2
	–	–	(क)	मत का दान – तत्पुरुष सचिव के लिए आलय – तत्पुरुष	½ +½ =1 ½ +½ =1 2
	–	–	(ख)	लालदेह – कर्मधारय किताबीकीड़ा – तत्पुरुष	½ +½ =1 ½ +½ =1 2

अंक-योजना मार्च, 2015

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 4/1, 4/2, 4/3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'ब') कक्षा - दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं. 1	2	3	उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक - विभाजन
6	6	6	4		
	(क)	-	-	सोने का एक हार ले आओ।	1
	(ख)	-	-	आज का अवकाश देने की कृपा करें। / कृपया आज का अवकाश दें।	1
	(ग)	-	-	मुझे हज़ार रुपए चाहिए।	1
	(घ)	-	-	क्या उसने देख लिया है? / क्या उसे देख लिया है?	1 4
	-	(क)	-	हमने तो पहले ही कहा था / हम तो पहले ही कह रहे थे।	1
	-	(ख)	-	मुझे कौन जानता है?	1
	-	(ग)	-	मुझे वहाँ नहीं जाना।	1
	-	(घ)	-	कल रात उनके प्राण निकल गए।	1 4
	-	-	(क)	क्या उसे बात समझ में नहीं आती? / क्या उसकी बात समझ में नहीं आती?	1
	-	-	(ख)	कृपया आप यहाँ रोज़ आएँ। / आप यहाँ रोज़ आने की कृपा करें।	1
	-	-	(ग)	मैं पहुँचा तो किसी ने कुछ भी नहीं कहा। / मैं पहुँचा तो कोई कुछ भी नहीं बोला।	1
	-	-	(घ)	दिल्ली में पूरे भारत के लोग रहते हैं।	1 4
7	7	7	7	अर्थपूर्ण एवं उचित वाक्यों पर अंक दिए जाएँ।	1+1=2

अंक-योजना मार्च, 2015

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 4/1, 4/2, 4/3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'ब') कक्षा - दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक - विभाजन
	1	2	3		
				खंड 'ग'	
8	8	12	11		
	(क)	(ख)	(क)	वह शरारती है, कोई न कोई शरारत करता रहता है। उसने जलती हुई सिगरेट से कुत्ते की नाक जला दी होगी।	2
	(ख)	(ग)	(ग)	अपने बाजू पर रेंगते हुए काले-च्योंटे को वापस उसके घर (कुएँ पर) छोड़ने के लिए उठ खड़े हुए। इस घटना से उनके जीवों के प्रति प्रेम व दया के भाव की विशेषता पता चलती है।	ख-1+1=2 ग-½ +½=1 ग-½ +½=1
	(ग)	(क)	(ख)	शुद्ध सोना बिना मिलावट वाला लचीला एवं कीमती होता है। गिन्नी के सोने में ताँबा मिला होता है साथ ही वह मजबूत, चमकीला व सस्ता होता है।	ग- 1 क- 2 ख- 2 5
9	9	11	8	इस कहानी का पात्र 'ओचुमेलॉव' अव्वल दर्जे का चापलूस है। वह गिरगिट के समान अपना रंग बदलता है। उसके जीवन का एक मात्र लक्ष्य है बड़े अधिकारियों को चापलूसी से खुश करना तथा पदोन्नति पाना। जैसे ही उसे पता चलता है कि यह कुत्ता जनरल झिगालॉव या उनके भाई का है, वह खुशी और हैरानी से उछल पड़ता है और उसे सुंदर डॉगी कहने लगता है। जिस कुत्ते को वह भद्दा, मरियल और मार डालने योग्य समझता था, उसी को अति सुंदर डॉगी कहना चापलूसी की हद है।	5

अंक-योजना मार्च, 2015

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 4/1, 4/2, 4/3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'ब') कक्षा - दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक - विभाजन
	1	2	3		
11	10 (क)	8 (क)	10 (क)	प्राकृतिक संसाधनों (धरती, समुद्र, वृक्ष व आकाश) की हिस्सेदारी में दीवारें खड़ी कर दी हैं। अपनी बुद्धि से।	1+1=2
	(ख)	(ख)	(ख)	पूरे परिवार के समान रहने वाला संसार आज टुकड़ों में बँट गया है क्योंकि मनुष्य स्वार्थी हो गया है, केवल अपनी ज़रूरतों / इच्छाओं को पूरा करने में लगा रहता है।	1+1=2
	(ग)	(ग)	(ग)	एकल परिवार की वजह से घर छोटे-छोटे हो गए, उनका आकार व स्थान बहुत कम हो गया और वे डिब्बे जैसे लगने लगे हैं।	1 5
11	11 (क)	10 (ख)	12 (क)	प्रियतम का पथ आलोकित करना चाहती है। वह प्रियतम को पाना चाहती है और उस तक जाने के लिए पथ को प्रकाशित रखना चाहती है ताकि वह स्वयं विचलित / पथभ्रष्ट न हो जाए।	2
	(ख)	(क)	(ग)	देशवासियों के लिए किया है। देश की रक्षा के लिए सैनिकों का कारवाँ सदा आगे बढ़ाने की प्रेरणा देने के लिए।	ख,क-1+1=2 ग-½ +½=1
	(ग)	(ग)	(ख)	भीषण गर्मी ने हिंसक पशुओं की हिंसा, वैर, विरोध और शत्रुता समाप्त कर दी है। अब शेर, हिरण, मोर व साँप एक ही स्थान पर बैठे दिखाई देते हैं।	ग,ग-1 ख- 2 5

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक - विभाजन
	1	2	3		
12	12	9	9	गुण - परोपकार, वसुधैव कुटुंबकम, सहयोग व भाईचारा, दानशीलता, उदारता, अहंकार का त्याग करना, धन पर गर्व न करना, भेदभाव न रखना, सहानुभूति की भावना आदि। (कोई पाँच गुण स्वीकार्य हैं।) तर्क सहित उत्तर - • यह मनुष्य की पहचान है, माँ सरस्वती भी परोपकारी की प्रशंसा करती हैं। • हम सब एक ही परमपिता की संतान हैं, इसलिए हम सब आपस में भाई-भाई हैं। • हम सबका लक्ष्य एक है (मोक्ष) इसलिए एक-दूसरे की उन्नति में सहयोग देना चाहिए। • रंतिदेव, दधीचि, उशीनर, कर्ण जैसे उदार व दानशील बनना चाहिए आदि।	5
13	13	13	13	छात्रों द्वारा दिए गए उपयुक्त उत्तर पर अंक दिए जाएँ।	5
				खंड 'घ'	
14	14	14	15	अनुच्छेद लेखन • विचारों की मौलिकता • प्रस्तुति • विषयानुकूल भाषा	 2 2 1 5

अंक–योजना मार्च, 2015

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 4/1, 4/2, 4/3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'ब') कक्षा – दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर–संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक – विभाजन
	1	2	3		
15	15	15	14	पत्र लेखन	
				• प्रारूप	1
				• विषयवस्तु	3
				• विषयानुकूल भाषा	1
					5
16	16	16	16	सूचना लेखन	
				• प्रस्तुति	2
				• विचारों की मौलिकता	2
				• विषयानुकूल भाषा	1
					5
17	17	17	17	संवाद लेखन	
				• प्रस्तुति	2
				• विचारों की मौलिकता	2
				• विषयानुकूल भाषा	1
					5
18	18	18	18	विज्ञापन लेखन	
				• प्रस्तुति	2
				• विचारों की मौलिकता	2
				• विषयानुकूल भाषा	1
					5